रसोई में लगी आग से जिंदा जल गई मासूम

- मां को बचाने की कोशिश में 2 साल की सृष्टि की मौत
- एक दिन पहले ही मनाया था बेटी का जन्मदिन

नव भारत न्यूज

इंदौर. देपालपुर तहसील के ग्राम कुनगारा में सोमवार सुबह रसोई में खाना बनाते समय हुए दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय बच्ची की मौत हो गई. गैस की नली में आग लगने से मां की साड़ी चपेट में आई और देखते ही देखते पास बैठी बेटी भी झुलस गई. गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया, जबकि मां का इलाज जारी है.

ग्राम कुनगारा निवासी काजल चौहान पत्नी अनिल चौहान सुबह घर में खाना बना रही थी. इसी दौरान गैस की नली में आग लग गई और उसकी साड़ी ने आग पकड़ ली. काजल मूक बधिर होने के कारण मदद के लिए आवाज नहीं लगा सकी. उसने खेत पर काम कर रहे परिजन को वीडियो कॉल कर घटना की जानकारी दी.

हादसे के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और काजल व उसकी दो वर्षीय बेटी सृष्टि को गंभीर हालत में इंदौर के निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों के भरसक प्रयास के बावजूद सृष्टि की जान नहीं बच सकी. वहीं, काजल करीब 50 प्रतिशत झुलस गई है और गंभीर हालत में उसका उपचार जारी है.

वीडियो कॉल पर मां को दी हादसे की सूचना

परिजनों ने पुलिस को बताया कि सृष्टि अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी, उसके पिता किसान हैं. हादसे से कुछ देर पहले ही काजल की अपनी मां से फोन पर बात हुई थी. उस समय सृष्टि उसकी गोद में बैठी थी. आग लगने के बाद काजल ने सबसे पहले अपनी मां को वीडियो कॉल किया, क्योंकि उनका नंबर मोबाइल की डायल लिस्ट में सबसे ऊपर था. इसके बाद घटना की जानकारी अन्य परिजनों तक पहुंची.

कारणों की जांच की जा रही है...-इस संबंध में राजेंद्र नगर थाना प्रभारी यशवंत बड़ोले ने बताया कि मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर जांच के लिए प्रकरण देपालपुर पुलिस को भेजा है, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है. प्रारंभिक जांच में गैस की नली में आग लगने की बात सामने आई है. जांच पूर्ण होने के बाद हादसे के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे.

पार्किंग में बच्चे को दूध पिला रही महिला को किए अश्लील इशारे

इंदौर. द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पड़ोसी पर अश्लील इशारे करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. महिला का आरोप है कि आरोपी पहले भी इस तरह की हरकतें कर चुका है. महिला अपने भाई के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई. उसने बताया कि वह घर की पार्किंग में बैठकर बोतल से अपने छोटे बच्चे को दूध पिला रही थी. इसी दौरान सामने रहने वाला संतोष वहां आया और काफी देर तक अश्लील इशारे करता रहा. महिला ने विरोध करते हुए वहां से घर के अंदर जाना उचित समझा. बाद में उसने घटना की जानकारी अपने पति को दी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कलेक्टर कार्यालय में 8 करोड़ के गबन का फरार आरोपी गिरफ्तार

- तीन साल से छिपकर रह रहा था मनोज
- खाते में मिला था साढ़े 12 लाख रुपए का लेनदेन

नव भारत न्यूज

इंदौर. कलेक्टर कार्यालय की ट्रेजरी में हुए करीब 8 करोड़ रुपए के सरकारी गबन मामले में रावजी बाजार पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी मनोज उर्फ हल्लू पिछले तीन साल से फरार चल रहा था. जांच में उसके बैंक खाते में गबन की राशि के साढ़े 12 लाख रुपए से अधिक के लेनदेन सामने आए हैं.

वर्ष 2023 में कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ रहे बाबू मिलाप चौहान पर सरकारी राशि के गबन का आरोप लगा

था. जांच में सामने आया था कि गबन की रकम को ठिकाने लगाने के लिए आरोपियों ने रिश्तेदारों और परिचितों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया था. मामले की वित्तीय जांच और बैंक खातों की पड़ताल के दौरान मनोज उर्फ हल्लू की भूमिका सामने आई. इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब आरोपी से गबन की राशि के लेनदेन, अन्य सहयोगियों और रकम के इस्तेमाल को लेकर पूछताछ कर रही है. इस मामले में पहले भी कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. जांच में सामने आने वाले अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है

आरोपी से की जा रही है पूछताछ...

एसीपी रावजी बाजार विजय सिंह चौधरी ने बताया कि बैंक खातों की जांच में आरोपी मनोज के खाते में गबन की राशि से जुड़े करीब साढ़े 12 लाख रुपए के ट्रांजेक्शन मिले हैं. आरोपी से पूछताछ कर मामले में अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं.

हाथी के हमले में मौत के बाद शहर में हाथियों की एंट्री पर लगेगी लगाम

प्रवेश, जुलूस और आयोजनों में उपयोग को लेकर बनेगी एसओपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत के बाद प्रशासन ने शहर में हाथियों के प्रवेश और उनके उपयोग को लेकर सख्ती की तैयारी शुरू कर दी है. अब शहर में हाथी लाने, सार्वजनिक आयोजनों में उनके इस्तेमाल और सुरक्षा इंतजामों को लेकर नई व्यवस्था तय की जाएगी, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.

जिले में हाथी के हमले से मौत की यह तीसरी घटना बताई जा रही है. घटना के बाद प्रशासन ने मामले में कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज कराया है और महावत को गिरफ्तार किया है. कलेक्टर शिवम वर्मा ने मीडिया से चर्चा में बताया कि हाथियों के शहर में प्रवेश को नियंत्रित करने के लिए एसओपी तैयार की जाएगी. इसमें हाथियों को लाने की अनुमति, निगरानी और सुरक्षा से जुड़े नियम तय किए जाएंगे. प्रशासन की योजना है कि शादी समारोह, जुलूस या अन्य आयोजनों में बिना अनुमति हाथी नहीं लाए जा सकें. इसके लिए नई गाइडलाइन तैयार कर निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी.

अब पुनरावृत्ति न हो...

हाथी के हमले की घटना बेहद दुखद है, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शहर में हाथियों के प्रवेश और उनके उपयोग को लेकर एसओपी बनाई जा रही है. इसमें सुरक्षा से जुड़े सभी जरूरी प्रावधान शामिल किए जाएंगे.

– शिवम वर्मा, कलेक्टर इंदौर

चार दिन में हुए तीन हादसों ने छीन लीं तीन जिंदगियां

- बारिश में खुले गड्ढे, निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते हुए हादसे
- लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों को लेकर उठ रहे सवाल

नव भारत न्यूज

इंदौर. बारिश के मौसम में खुले गड्ढे, निर्माण स्थलों पर लापरवाही और असुरक्षित हालात लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रहे हैं. शहर और आसपास के क्षेत्रों में बीते चार दिनों में हुए तीन हादसों में एक ई रिक्शा चालक, एक मासूम बच्चे और एक बच्ची की मौत हो गई. लगातार हो रहे हादसों ने सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

बाणगंगा क्षेत्र में शुक्रवार 24 जुलाई की शाम एमआर 10 ब्रिज से उतरते समय ई रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया था. हादसे में 38 वर्षीय चालक कपिल पिता रमेश रमनवाल निवासी पंचम की फेल गंभीर रूप से घायल हो गया था. राहगीरों ने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है. वहीं कनाड़िया क्षेत्र के संपत हिल्स में निर्माणाधीन मकान की खुली पानी की टंकी में गिरने से चार वर्षीय रुद्र चौहान की मौत हो गई थी. जांच के बाद पुलिस ने

निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं करने के मामले में ठेकेदार राजेश पवैया के खिलाफ लापरवाही का प्रकरण दर्ज किया है. इधर देपालपुर तहसील के ग्राम कुनगारा में घरेलू हादसे में बच्ची की जान चली गई. खाना बनाते समय मां की साड़ी में आग लगने के बाद बच्ची भी इसकी चपेट में आ गई थी. गंभीर हालत में दोनों को इंदौर के निजी अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान बच्ची की मौत हो गई. पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

खुले स्थान अब भी बने खतरा...

बारिश के दौरान शहर में कई ऐसे स्थान हैं, जहां खुले गड्ढे और जलभराव खतरा बने हुए हैं. बंगाली चौराहे से मयंक ब्लू वाटर पार्क जाने वाले मार्ग पर पुलिस लाइन और एसीपी कार्यालय के सामने बना गड्ढा बारिश के पानी से भर गया है. स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां बच्चे नहाने पहुंच रहे हैं, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं. इसके अलावा हाल ही में महू क्षेत्र के चोरल डेम और लोधियाकुंड में डूबने से दो नाबालिगों की मौत हो चुकी है. लगातार सामने आ रहे हादसों के बावजूद खुले गड्ढों, निर्माण स्थलों और जलभराव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था अब भी चुनौती बनी हुई है.

एक नजर में

सुन्नी आइम्मा काउंसिल ने इमामों को दिया प्रशिक्षण

इंदौर. सुन्नी आइम्मा काउंसिल की ओर से इंदौर शहर के इमामों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया. इसमें इमामों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों, मस्जिदों की भूमिका और वर्तमान समय से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम में मौलाना खालिद अय्यूब मिस्बाही और मौलाना जुनैद मिस्बाही ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित किया. उन्होंने इमामों की जिम्मेदारियों के साथ ही समाज में आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे का माहौल बनाए रखने पर जोर दिया. काउंसिल के सचिव मुफ्ती साबिर अली ने बताया कि कार्यक्रम के समापन पर देश में अमन, शांति और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई. कार्यक्रम में शहर के कई इमाम शामिल हुए और प्रशिक्षण को उपयोगी बताया.

केशरिया राजपूत लेडिस क्लब ने लगाए पौधे

इंदौर. पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य से केशरिया राजपूत लेडिस क्लब ने बाल्याखेड़ा मुक्ति धाम परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया. क्लब की पदाधिकारियों और सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया. कार्यक्रम के दौरान क्लब सदस्यों ने कहा कि मुक्ति धाम केवल अंतिम यात्रा का स्थान नहीं, बल्कि प्रकृति और जीवन के महत्व को समझने का भी स्थल है. यहां लगाए गए पौधे आने वाले समय में लोगों को छाया देने के साथ ही परिसर के वातावरण को बेहतर बनाएंगे. क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली गई है. साथ ही लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण अभियान से जुड़ने की अपील की गई.

राऊ के उमिया धाम में विकसित भारत संवाद सम्मेलन आयोजित

राऊ. उमिया धाम परिसर में पाटीदार समाज के सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश पाटीदार के संयोजन में विकसित भारत संवाद सम्मेलन आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विकसित भारत संकल्प संस्थान के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित योगेंद्र महंत ने की. स्वागत भाषण डॉ. कनक पटेरिया ने दिया. उन्होंने संस्था की गतिविधियों एवं विकसित भारत के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर अपने विचार रखे. सम्मेलन में संस्था के विभिन्न राज्यों एवं जिलों से आए संस्थापक सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे. प्रमुख रूप से राहुल पाण्डे, गुजरात से विशाल पंड्या, बिंदु बेन पंड्या, दाहोद से मयूर परमार, झाबुआ से डॉ. फूल पगारे, शांति वसुनिया, ब्राह्मण समाज के लखन कक्का तिवारी, अतुल पाल, प्रवीण मालवीय, एडवोकेट राकेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे. कार्यक्रम में पाटीदार समाज के वरिष्ठ समाजसेवी बंसीधर डिंगूजी सहित समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे. संचालन दिनेश दवे एवं अदिति पटेरिया ने किया. डॉ. अशोक बलसोरे ने आभार व्यक्त किया.

स्कार्पियो सवार युवकों ने ऑटो और घर में की तोड़फोड़ और मारपीट

- हॉर्न बजाने और ऑटो हटाने की बात को लेकर हुआ विवाद
- पुलिस ने चार आरोपियों पर किया केस दर्ज

इंदौर. आजाद नगर थाना क्षेत्र में ऑटो हटाने की बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि स्कार्पियो सवार चार युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी. आरोपियों ने घर और ऑटो में भी तोड़फोड़ की. पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

विराट नगर निवासी आकाश प्रजापति ने शिकायत में बताया कि वह घटना के समय अपने ससुराल में था. घर के बाहर उसके भाई का ऑटो खड़ा था. इसी दौरान स्कार्पियो से अतुल पटेल, रितिक यादव, शनि पटेल और अशोक पटेल निवासी अभिषेक नगर वहां पहुंचे. आरोप है कि युवकों ने लगातार हॉर्न बजाते हुए गाली गलौज की और ऑटो हटाने को कहा. विरोध करने पर उन्होंने आकाश के साथ मारपीट शुरू कर दी. शोर सुनकर परिवार के लोग बाहर आए तो आरोपियों ने पथराव कर दिया, जिससे ऑटो और घर के कांच क्षतिग्रस्त हो गए. बीच बचाव करने पहुंचे रोहित कैथवास पर भी बेसबॉल के डंडे से हमला करने का आरोप है, जिसमें उसके सिर में चोट आई है. पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है.

शेयर ट्रेडिंग ठगी में फर्जी बैंक खाते देने वाले 4 आरोपी धराए

- ठगों तक पहुंचाए जा रहे थे बैंक खाते और कस्टमर किट
- कई एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक और सिम कार्ड बरामद

नव भारत न्यूज

इंदौर. शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले चार आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है. पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी साइबर ठगों को ऐसे बैंक खाते उपलब्ध कराते थे, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर करने में किया जाता था.

क्राइम ब्रांच ने यह कार्रवाई

15 मोबाइल, कस्टमर किट और एक स्कार्पियो जब्त

डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 15 मोबाइल फोन, अलग अलग बैंकों की पासबुक, सिम कार्ड, बैंकिंग दस्तावेज और एक स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया है. जांच में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं. पुलिस अब जब्त दस्तावेज और खातों की जांच कर यह पता लगा रही है कि इनका इस्तेमाल किन किन राज्यों में हुई साइबर ठगी की वारदातों में किया. जांच में करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेन देन की जानकारी मिली है. पुलिस अब गिरोह के मुख्य संचालक और अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है साथ ही आरोपियों की आर्थिक गतिविधियों और संपत्ति की जानकारी भी जुटाई जा रही है.

परदेशीपुरा थाने में दर्ज साइबर ठगी के मामले की जांच के दौरान की. मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बैंक खातों की जांच में कुछ नए नाम सामने आए थे. इसके बाद पुलिस ने 32 वर्षीय आकाश विश्वकर्मा, 24 वर्षीय प्रवीण पाल, 28 वर्षीय आशीष पुरी और 25 वर्षीय समर्थ बरदेला निवासी निरंजनपुर को गिरफ्तार किया.

आरोपी लोगों के नाम से बैंक खाते खुलवाकर या खाते उपलब्ध कराकर उनकी बैंकिंग किट (एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक और सिम कार्ड) साइबर ठगों तक पहुंचाते थे. इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन निवेश और शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी गई रकम को जमा करने और आगे ट्रांसफर करने में किया जाता था.

15 मामलों के आरोपी को 12 .50 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा

- टीसीएस चौराहे के पास क्राइम ब्रांच की कार्रवाई
- सप्लायर की तलाश में जुटी पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने टिगरिया बादशाह रोड स्थित टीसीएस चौराहे के पास से एक आदतन अपराधी को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ पहले से एनडीपीएस, आबकारी, आर्म्स एक्ट सहित 15 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं.

गश्त के दौरान टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कार से ब्राउन शुगर लेकर आने वाला है. सूचना के आधार पर घेराबंदी कर

संदिग्ध को पकड़ा. तलाशी लेने पर उसके पास से 12.50 ग्राम ब्राउन शुगर मिली. गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरविंद सोलंकी उम्र 37 साल निवासी भीमनगर, राजेंद्र नगर के रूप में हुई है. पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए घटना में उपयोग कार भी जब्त की है. जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2016 से अब तक अलग अलग थानों में 15 मामले दर्ज हैं. इनमें एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण भी शामिल हैं. पुलिस अब उससे यह पता लगा रही है कि वह ब्राउन शुगर कहां से लाता था और इसके पीछे कौन लोग जुड़े हैं.

पूर्व से दर्ज हैं 15 मामले

एनडीपीएस सहित 15 मामले क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी अरविंद सोलंकी के खिलाफ वर्ष 2016 से अब तक राजेंद्र नगर, चंदन नगर, अन्नपूर्णा और द्वारकापुरी थानों में एनडीपीएस, आबकारी और आर्म्स एक्ट सहित 15 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं.

आरोपी से पूछताछ की जा रही है...

डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस अब उसके पुराने संपर्कों और मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है.

बात बंद करने से नाराज युवक ने रास्ता रोककर युवती को पीटा

इंदौर. राऊ थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने परिचित युवक पर रास्ता रोककर छेड़छाड़ और मारपीट करने का आरोप लगाया है. युवती का कहना है कि आरोपी उससे दोबारा बातचीत करने का दबाव बना रहा था. पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, निजी कंपनी में काम करने वाली युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह शुभम चौहान को पिछले चार साल से जानती है. दोनों के बीच दोस्ती थी, लेकिन युवक की कुछ हरकतों से परेशान होकर उसने करीब एक महीने पहले बातचीत बंद कर दी थी. युवती के अनुसार सोमवार को वह कंपनी जा रही थी, तभी रास्ते में शुभम बाइक लेकर पहुंचा और उससे बात बंद करने का कारण पूछने लगा. जब उसने आगे बढ़ने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका हाथ पकड़ लिया और अपशब्द कहे.

युवती का आरोप है कि इसके बाद उसने युवती के बाल पकड़कर उसे जमीन पर गिरा दिया और पेट में लात मारी। आरोपी उसे जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास कर रहा था. शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी धमकी देकर वहां से चला गया. युवती ने घर पहुंचकर अपनी मां और भाई को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस में शिकायत की गई.

एक नजर में

सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, क्षतिग्रस्त चेंबर से बहता पानी और गिरते-पड़ते बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग यहां की नियति बन चुके हैं

वर्षों से दयनीय हालत में पड़ा कृष्ण विहार कॉलोनी का मुख्य मार्ग बना लोगों की मुसीबत

इंदौर. शहर की कृष्ण विहार कॉलोनी का मुख्य मार्ग वर्षों से खराब है, क्योंकि न्यायालय में मामला चल रहा है. इस कारण से सड़क का काम रुका हुआ है और लोग गड्ढों व पानी के बीच रोजाना परेशान हो रहे हैं. मुख्य मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और पानी भरा रहता है. हजारों लोग हर दिन हादसे और मुसीबतों का सामना करके निकलने को मजबूर हैं.

मामला वार्ड क्रमांक 37 का एमआर-10 और एमआर-9 को जोड़ने वाला कृष्ण विहार कॉलोनी का मुख्य मार्ग वर्षों से अधूरा पड़ा है. वार्ड 40 तक सीमेंट-कंक्रीट सड़क बन चुकी है, लेकिन वार्ड क्रमांक 37 शुरू होते ही यहां से आगे का हिस्सा गहरे गड्ढों और जलभराव में तब्दील है. इस मार्ग से आधा दर्जन कॉलोनियों के रहवासी और

आसपास के कई स्कूलों के सैकड़ों विद्यार्थी रोजाना गुजरते हैं. आए दिन वाहन फिसलते हैं. अभी तक सैकड़ों छात्र-छात्राएं घायल हो चुके हैं. क्षेत्रवासियों ने कई बार आवेदन दिए, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतें भी दर्ज कराईं, लेकिन समस्या दूर नहीं हुई, क्योंकि जानकारी के अनुसार भूमि के एक हिस्से पर बिल्डर द्वारा निजी दावे को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जिससे निर्माण शुरू नहीं हो सका. जबकि नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण का टेंडर स्वीकृत हो चुका है. अब सवाल यह है कि जनसुविधा और कानूनी प्रक्रिया के बीच संतुलन कब बनेगा? हजारों लोगों की परेशानी का स्थायी समाधान कौन निकालेगा? जब टेंडर स्वीकृत है तो वैकल्पिक रास्ता तलाशने की जिम्मेदारी किसकी है? आखिर स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को रोज जोखिम उठाने के लिए कब तक मजबूर रहना पड़ेगा? क्या संबंधित पक्ष आपसी सहमति या कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने की दिशा में कोई ठोस

यह बोले रहवासी....

10 से 20 वर्ष हो चुके हैं, इसके लिए हमने आवेदन भी दिए चक्काजाम भी किया, लेकिन स्थिति जस की तस है. पार्षद, महापौर, विधायक, प्रदेश सरकार सब बीजेपी की है, फिर भी विकास अटका हुआ है.

– अरविंद सोलंकी, स्कूल संचालक

एक वर्ष में 30-35 छात्र चेंबर में गिरकर घायल हो चुके हैं. काम पर जाने वाली महिलाएं भी गड्ढों और चेंबर में गिरती रहती हैं. कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी आते हैं, देखते हैं और चले जाते हैं, लेकिन सड़क निर्माण अब तक नहीं हुआ.

– आरव जाधव, छात्र

बच्चे स्कूल नहीं जा पाते. गड्ढों में मलबा ही डलवा दें, ताकि वे आना-जाना कर सकें. गड्ढों में भरे पानी में करंट फैलने का डर है. हम नर्क जैसी जिंदगी जी रहे हैं, निवेदन है कि मार्ग का कार्य किया जाए.

– जय वर्मा, क्षेत्रवासी

हम न्यायालय का इंतजार कर रहे हैं

सीवरेज, स्टॉम वाटर, सड़क निर्माण के टेंडर और वर्क आर्डर पास हो चुके हैं, लेकिन श्रीराम बिल्डर द्वारा लगाई गई याचिका के कारण प्रकरण न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है. हम न्यायालय के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं.

– संगीता जोशी, पार्षद